

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--- अण्ड 3--- उपल्लण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

माधिकार सं प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

io 87]

नई विष्त्री, सोमवार, मार्च 12, 1973/फाल्गुन 21, 1894

No. 87]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 12, 1973/PHALGUNA 21, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 12th March 1973

S.O. 137(E)/18A/IDRA/73.—Whereas the Central Government is of the opinion that M|s. Hindustan Tractors Limited, Vishwamitri, Baroda, an industrial undertaking in respect of which an investigation has been made under section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, (65 of 1951) is being managed in a manner highly detrimental to the scheduled industry concerned, namely tractors;

Now, therefore, in exercies of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18A of the said Act, the Central Government hereby authorises the Gujarat Agro-Industries Corporation I imited, Ahmedabad (hereinafter referred to as Authorised Controller) to take over the management of the whole of the said industrial undertaking, namely, M|s. Hindustan Tractors Limited, Vishwamitri, Baroda, subject to the following terms and conditions, namely:—

- (i) The Authorised Controller shall comply with all directions issued from time to time by the Central Government:
- (11) The Authorised Controller shall hold office for five years from the date of publication in the Official Gazette of this order;
- (iii) The Central Government may terminate the appointment of the Authorised Controller earlier if it considers necessary to do so.
- 2 This order shall have effect for a period of five years commencing from the date of its publication in the Official Gazette.

[No. F. 4/1/73-CUC]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

भौद्योगिक विकास मंद्रालय

ध्रावेश

नई दिल्ली 12 मार्च, 1973

का० ग्रा० 137 (ग्र)/18क/ग्राई० डो० ग्रार० ए०/73-मन: केन्द्रोय सरकार की राय है कि मंपर्य क्तिस्तान ट्रॅक्टमं लिमिटेड विश्वामिति बडीक्षा भौद्योगिक उपक्रम का जिसकी बाबत उद्योग (विकास ग्रोर विनियमन) ग्रिश्विनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 15 के ग्रिश्वीन भ्रान्त्रेपण किया जा चुका है प्रवस्थ इस रीति से किया जा रहा है जो सम्बद्ध ग्रवसूचित उद्योग ग्राप्यीत् ट्रैक्टमं के लिये श्रत्यन्त हानिकार है ।

श्रत. स्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा । 8क की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवस्त गिक्तिया का प्रयोग करने हुये केन्द्रीय सरकार गुजरान एसा इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड श्रह्मदा-वाद की (जिसे इसमे इसके प्राधिकृत नियंज्ञक कहा गया है) उक्त श्रीद्योगिक उमक्रप श्रयीत मैसर्स हिन्दुस्तान ट्रैक्टर्स लिमिटेड विश्वामिल बड़ोदा का पूर्ण प्रबंध निम्नलिखित निबंधनी श्रीर शर्मी के श्रश्रीन ग्रहण करने के लिये एतद्द्वारा प्राधिकृत करती है श्रयीत् —

- (i) प्राधिकृत नियंत्रक केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निकाले गये सभी निदेणों का पालन करेगा :
- (ii) प्राधिकृत नियंत्रक इस प्रादेश के राजश्रव मंत्रका मन की तारीख से पांच वर्ज के लिये पदासीन रहेगा ;
- (iii) केन्द्रीय सरकार यदि वह ऐसा करना ग्रावण्क समझे तो प्राधिकृत नियंत्रक की नियुक्ति, पहले भी समाप्त कर सकेगी ।
- यह श्रादेश राजपत मे प्रकाणन की तारीख मे पाच वर्ग को अविभि के लिए प्रभावी होगा।

[मं॰ फा॰ 1/1/73-मो॰ यू॰ मी॰] डा॰ के॰ सक्तना, संगुक्त सन्त्रिया